विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्य योजना का प्रारूप

केवल पाठ संस्करण

विषय-सूची

विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्ययोजना का प्रारूप 4

प्राथमिकता वाले क्षेत्र 5

1. बच्चों व युवा व्यक्तियों की शिक्षण आवश्यकताओं हेतु मूल्यांकन के तरीकों को बेहतर बनाना 5
2. विकलांगता और अतिरिक्त शिक्षण आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों के लिए सहायता की सीमा को सुदृढ़ बनाना 5
3. तंत्रिका विविधता वाले तथा प्रतिभाशाली शिक्षणार्थियों के प्रति हमारी प्रतिक्रिया को बेहतर बनाना 6
4. लर्निंग सपोर्ट (शिक्षण सहायता) के पास सहायता व सेवाएं बढ़ाने के लिए संसाधन उपलब्ध हैं 6

विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्ययोजना के व्यापक शिक्षा प्रणाली प्रयासों से संबंध 7

शैक्षिक कर्मचारी 7

कल्याण और सहनशीलता 7

डाटा और मूल्यांकन 7

शिक्षण सहायता प्रदायगी के मॉडल का विकास 8

शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल 8

शिक्षण सहायता सुविधादाता 9

शिक्षण सहायता समन्वयक 9

प्रत्येक बच्चे व युवा व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार है।

5 में 1 बच्चे व युवा व्यक्ति को उनके शिक्षण में कुछ अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है।

समावेशी शिक्षा यह सुनिश्चित करती है कि सभी बच्चे शिक्षा में भाग लेकर सीख सकें और उपलब्धि प्राप्त कर सकें, उनकी आवश्यकताएं या अंतर जो भी हों। शिक्षण सहायता का अर्थ उस अतिरिक्त सहायता से है जो कुछ बच्चों व युवा व्यक्तियों को शिक्षा में सहभागिता और उपलब्धि के लिए आवश्यक होती है।

विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्ययोजना प्रारूप का ध्येय ऐसी समावेशी शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसमें विकलांगता सहित अतिरिक्त शिक्षण आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों को शामिल किया गया हो। जिसमें उनकी उपलब्धि, प्रगति, कल्याण और सहभागिता को महत्त्व और समर्थन दिया गया हो।

अभी हम वहाँ नहीं पहुँचे हैं। विकलांग तथा शिक्षण सहायता आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों, उनके अभिभावकों, देखभालकर्ताओं, परिवारों और व्हानाऊ और विकलांगता और शिक्षा विभागों ने शिक्षा प्रणाली की प्रभाविता के बारे में अपने विचार साझा किये हैं । ये विचार, विकलांग और शिक्षण सहायता आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों हेतु सहभागिता तथा उपलब्धि दरों में परिलक्षित होती हैं।

विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्ययोजना का प्रारूप

कार्य योजना का प्रारूप अभिभावकों और व्हानाऊ और विकलांगता और शिक्षा विभागों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के उत्तर में विकसित किया गया है और प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में डिस्लेक्सिया, डिस्प्रेक्सिया, और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों की प्रमुख चुनौतियों वाले विद्यार्थियों हेतु पहचान एवं सहायता में 2015 शिक्षण सहायता अपडेट और सेलेक्ट समिति जांच द्वारा सूचित किया गया है।

कार्य योजना का उद्देश्य ऐसी समावेशी शिक्षा प्रणाली की दिशा में प्रगति प्रेरित करना है जिसमें विकलांगता सहित अतिरिक्त शिक्षण आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों को शामिल किया गया हो, और जिसमें उनकी उपलब्धि, प्रगति, कल्याण और सहभागिता को महत्त्व और समर्थन दिया गया हो। शिक्षण सहायता प्रदायगी के मॉडल, तथा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित विकलांगता प्रणाली रूपांतरण संबंधी वर्तमान कार्य को विकसित करना इसका ध्येय है।

कार्य योजना का प्रारूप आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं का प्रणाली-स्तर परिप्रेक्ष्य समझने के लिए डिजाइन किया गया है। आगामी कुछ वर्षों के लिए इसमें कई प्राथमिकताएं सुझाई गई हैं। हमें स्कूलों में दी जाने वाली सहायता को सुदृढ़ बनाने, तथा उपलब्ध संसाधनों द्वारा सेवा प्रदायगी बढ़ाने के बीच एक संतुलन बनाना होगा।

समय के साथ कार्यों को चरणबद्ध या क्रमबद्ध करना होगा। प्रत्येक कार्यवाही सांकेतिक है और परामर्श के परिणामों, आगामी नीतिगत कार्य, तथा वित्तपोषण निर्णयों के विषयाधीन है। किन्हीं नई कार्यवाहियों के क्रियान्वित होने से पहले उन पर सरकार के वित्तपोषण संबंधी दशा लागू होती हैं।

सभी कार्यवाहियां सांस्कृतिक रूप से प्रतिक्रियाशील होंगी और माओरी और पैसेफिक बच्चों व युवा व्यक्तियों और उनके व्हानाऊ की विशिष्ट सांस्कृतिक ज़रूरतों और संदर्भ का ध्यान रखते हुए निर्धारित की जाएंगी।

कार्य योजना अन्य शिक्षा कार्य कार्यक्रम प्राथमिकताओं जैसे कि टुमारो'ज स्कूल्स रिव्यू, NCEA (एन.सी.ई.ए) रिव्यू, अर्ली लर्निंग स्ट्रेटेजी, माओरी और पैसेफिक शिक्षण रणनीतियों, तथा सरकार की विभिन्न बाल कल्याण रणनीतियों को भी जोड़ेगी।

प्राथमिकता वाले क्षेत्र

प्राथमिकता वाले चार प्रमुख क्षेत्र।

1. बच्चों व युवा व्यक्तियों की शिक्षण आवश्यकताओं हेतु मूल्यांकन के तरीकों को बेहतर बनाना।

हम सभी बच्चों की आवश्यकताओं को अधिक तीव्रता से पहचानने तथा शीघ्र प्रतिक्रिया करने में सक्षम होना चाहते हैं।

आवश्यकताओं के मूल्यांकन हेतु टूल्स

हम स्वास्थ्य मंत्रालय सहित विविध सरकारी विभागों के साथ मिलकर उपायों और उपकरणों का एक सुइट विकसित करते हुए इसे करना प्रस्तावित करते हैं, जो अंग्रेजी और टे रियो माओरी में होगा जो मिलकर बच्चों की स्कूली शिक्षा के दौरान विभिन्न चरणों में उनकी ज़रूरतों की पहचान और मूल्यांकन करेगा। इसमें यह शामिल हो सकते हैं:

- 3 वर्ष की आयु पर सबके स्वास्थ्य की जांच
- बच्चों के पहली बार स्कूल आने पर उनकी आवश्यकताओं का निरंतर मापन
- छह और आठवर्ष की आयु के बीच डिस्लेक्सिया और डिस्प्राक्सिया के लिए जांच
- 6 और 8 की आयु के बीच प्रतिभाशाली की जांच
- बच्चों के प्राथमिक से माध्यमिक स्कूल में जाने पर उनके मानक स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती की जांच।

केंद्रीय डाटा संग्रह

हम एक केंद्रीय डाटा संग्रह प्रक्रिया और प्रणाली विकसित करना प्रस्तावित करते हैं जो सभी स्कूलों को ऊचित पहुँच की स्तरों की सुविधा प्रदान करेगा जिससे वह देश भर में विद्यार्थियों की ज़रूरतों की बेहतर पूर्ति कर सकें । केंद्रीय डाटा संग्रह, शोध आरंभ करने, संसाधन प्रावधान योजना बनाने, तथा भावी कार्मिकशक्ति की योजना बनाने की ज़रूरतें समझने में भी सरकार की मदद करेगा।

हम एकीकृत शिक्षा डाटा (iEd) प्रोग्राम, और विशेषरूप से विद्यार्थी सूचना साझेदारी पहल (SISI) परियोजना के माध्यम से किए गए कार्य का लाभ उठाएंगे, जो उस कार्य का एक भाग है।

2. विकलांगता और अतिरिक्त शिक्षण आवश्यकताओं वाले बच्चों व युवा व्यक्तियों के लिए सहायता की सीमा को सुदृढ़ बनाना।

हम प्रणाली में वर्तमान सेवा संबंधी कमियां पूरी करना चाहते हैं, ताकि जोखिमग्रस्त बच्चों व युवा व्यक्तियों सहित सभी शिक्षणार्थियों की ज़रूरतें बेहतर ढंग से पूरी करने के लिए क्रमिक प्रतिक्रियाएं की जाएं।

हम निम्न द्वारा ऐसा करना प्रस्तावित करते हैं:

1. शिक्षकों की क्षमता और ज्ञान में वृद्धि हेतु और अभिभावकों तथा व्हानाऊ के लिए प्राथमिक संपर्क बनाने के लिए स्कूलों में **एक शिक्षण सहायता समन्वयक** (वर्तमान में विशेष शिक्षण आवश्यकताएं समन्वयक या SENCO कहा जाता है) की स्थापना किया जाना

2. तंत्रिका विविध वाले शिक्षणार्थियों के साथ ऐसे बच्चों व युवा व्यक्तियों के लिए एक **अधिक लचीली सह -डिजाइन पैकेज सहायता** उपलब्ध कराना जो संचालित रिसोर्सिंग योजना (ORS) के लिए पात्र नहीं हैं।
3. स्वास्थ्य और शिक्षा में **आरंभिक हस्तक्षेप** सेवाओं में अधिक निवेश किया जाना।
4. एक **विवाद समाधान** प्रक्रिया लागू करना ताकि अभिभावक, व्हानाऊ और स्कूल कोई मसला होने पर नए कदम उठा सकें
5. **जोखिमग्रस्त युवा लोगों के लिए सहायता बेहतर बनाना** ताकि सभी विद्यार्थी स्कूल जाएं, या प्रशिक्षण या रोजगार प्राप्त करें
6. **रूपांतरण :** अतिरिक्त सहायता की पहचान करना ताकि शिक्षण सहायता आवश्यकताओं वाले युवा व्यक्तियों के लिए माध्यमिक/तृतीयक कार्यक्रमों, कैरियर परामर्श की सुलभता हो सके और आगामी शिक्षा में वे आगे बढ़ सकें।
7. स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य करते हुए जन्म से लेकर 8 वर्ष आयु वाले विकलांग बच्चों के लिए (स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित मिड सेंट्रल प्रोटोटाइप फॉर डिसएबिलिटी सिस्टम ट्रांसफार्मेशन के भाग के रूप में) **स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी सहायता और सेवाएं व्यवस्थित करना।**

नोट: हम ग्रामीण बनाम शहरी परिवेशों में सेवा प्रदायगी की आवश्यकताओं और प्रणालियों में संभावित अंतरों पर विचार करेंगे।

3. तंत्रिका विविधता वाले तथा प्रतिभाशाली शिक्षणार्थियों के प्रति हमारी प्रतिक्रिया को बेहतर बनाना

हम चाहते हैं कि ऐसे बच्चे व युवा व्यक्ति जो तंत्रिका विविधता (जिसमे शामिल है ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, डिस्लेक्सिया और डिस्प्रेक्सिया) से ग्रस्त हैं और/या प्रतिभाशाली हैं, वे अपनी पूरी क्षमता हासिल करें।

हम निम्न द्वारा ऐसा करना प्रस्तावित करते हैं:

1. **शिक्षक क्षमता में सुधार**: शिक्षकों को उनकी आवश्यकताएं समझने में सहायता और उन पर प्रतिक्रिया, जिनमें आरंभिक शिक्षक प्रशिक्षण (ITE) और पेशेवर शिक्षण और विकास (PLD) शामिल है, में सहायता करना।
2. तंत्रिका विविध विद्यार्थियों हेतु शिक्षण व अधिगम के बारे में **अधिक जानकारी** प्रदान करना, तथा नए टूल्स की संभावनाओं की खोज करना
3. माध्यमिक स्कूलों में प्रतिभाशाली तथा तंत्रिका विविधता वाले विद्यार्थियों की विशिष्ट समस्याएं दूर करने के लिए **लचीली लक्षित सहायता** प्रदान करने के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों से मिलकर कार्य करना।

4. लर्निंग सपोर्ट (शिक्षण सहायता) के पास सहायता व सेवाएं बढ़ाने के लिए संसाधन उपलब्ध हैं।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चिन्हित आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन, तथा सही प्रकार से यह करने के लिए लचीलापन हो।

हम निम्न द्वारा ऐसा करना प्रस्तावित करते हैं:

1. विशिष्ट सहायताओं जैसे कि - आवासीय विशिष्ट स्कूलों, आरंभिक हस्तक्षेपों और टे काहू टोई/सघन रैपअराउंड सेवा, न्यूजीलैण्ड सांकेतिक भाषा तथा बधिर शिक्षण में लागत के दबावों पर प्रतिक्रिया करना।
2. समावेशी प्राविधानों वाले समुदाय में विशिष्ट तथा आवासीय स्कूलों, सैटेलाइट इकाईयों, तथा अन्य सुविधाओं की भूमिका स्पष्ट करना।

यह महत्त्वपूर्ण है कि हम सेवाओं के बेहतर समन्वय, शिक्षकों को सहायता, कक्षा में सहायता, तथा व्यक्तिगत सेवाओं के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करें।

विकलांगता और शिक्षण सहायता कार्ययोजना के व्यापक शिक्षा प्रणाली प्रयासों से संबंध

शैक्षिक कर्मचारी

हम चाहते हैं कि आरंभिक शिक्षण सेवाओं और स्कूलों में उतने कर्मचारी हों, जितने सभी शिक्षणार्थियों की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए उनके पास होने आवश्यक हैं।

प्रस्तावित कार्यवाही: शैक्षिक कार्मिकशक्ति रणनीति में शिक्षण सहायता कर्मचारी शामिल करने की हमारी योजना है, जिसमें वर्तमान शिक्षक प्रशिक्षण, पेशेवर शिक्षण और विकास, और शिक्षण सहायता में कैरियर विस्तार पर विचार किया जाएगा।

कल्याण और सहनशीलता

हम चाहते हैं कि समस्त शिक्षण परिवेशों के पास विद्यार्थियों का कल्याण करने के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध हो ताकि बच्चे व युवा व्यक्ति शिक्षण में पूरी सहभागिता कर सकें।

प्रस्तावित कार्यवाहियां: हमारी निम्न योजना है:

- कल्याण हेतु, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, तथा धौंस-धमकी की रोकथाम के लिए विविध एजेंसियों के बीच अधिक सुदृढ़ और अधिक घनिष्ठ सहयोग बनाने के लिए विविध सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करना।
- विकलांग बच्चों व युवा व्यक्तियों की आवश्यकताओं के लिए प्रावधान सुनिश्चित करना और शिक्षण सहायता आवश्यकताओं को विविध सरकारी बाल कल्याण नीतियों में शामिल करना।

डाटा और मूल्यांकन

हम गुणवत्तापरक सूचना चाहते हैं ताकि हम सभी प्रणालियों के बारे में अधिक जागरूक निर्णय ले सकें और सभी बच्चों व युवा व्यक्तियों के लिए सहायता में सुधार कर सकें।

प्रस्तावित कार्यवाही: हमारी निम्न योजना है:

- डाटा साझेदारी के नियम विकसित करना ताकि व्यक्तियों की गोपनीयता बनाए रखते हुए विकलांगता और शिक्षण सहायता आवश्यकताओं के बारे में एकत्रित डाटा विविध एजेंसियों और सेवाप्रदाताओं के पास सुरक्षित ढंग से सहेजा जा सके।

शिक्षण सहायता प्रदायगी के मॉडल का विकास

विकलांगता औरशिक्षण सहायता कार्ययोजना नएशिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल का विकास करेगी।

एक नया शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल वर्तमान में क्रियान्वित किया जा रहा है और 2019 के अंत तक पूरी तरह से लागू हो जाएगा। हम इस सकारात्मक दिशा में एक नए पद के साथ विकास प्रस्तावित कर रहे हैं : शिक्षण सहायता समन्वयक।

इस पद की निम्न भूमिका होगी:

- अभिभावकों और व्हानाऊ हेतु प्राथमिक संपर्क बनना, तथा स्कूलों की साझेदारी में कार्य हेतु उनका सहयोग करना
- शिक्षकों की क्षमता तथा ज्ञान आधार के विकास के लिए स्कूल या कुरा का सहयोग करना
- आरंभिक शिक्षण सेवाओं से रूपांतरण हेतु संपर्क बनाना

शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल

एक नया शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल वर्तमान में क्रियान्वित किया जा रहा है और 2019 के अंत तक पूरी तरह से लागू हो जाएगा। इसे अभिभावकों, और व्हानाऊ और विकलांगता और शिक्षा क्षेत्र समूहों से प्रतिक्रियाओं के प्रत्युत्तर में विकसित किया गया है।

नया शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल, अभिभावकों और व्हानाऊ, और विकलांगता और शिक्षा क्षेत्र में समूहों से प्रतिक्रियाओं के प्रत्युत्तर में विकसित किया गया। इसमें फिनलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, स्कॉटलैण्ड, इंग्लैण्ड और सिंगापुर की विधियों सहित अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम विधियों को आधार के रूप में लिया गया।

नए मॉडल के छह प्रमुख तत्व हैं:

- परिवारों और व्हानाऊ के लिए सुपरिचित संपर्क बिंदु –जिसे वे जानते हैं कि सूचना और सहायता के लिए वहां जा सकते हैं।
- प्रत्येक बच्चे या युवा व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संयुक्त सहायता प्रदान करने वाली एकल योजना
- स्कूलों, कुरा, आरंभिक शिक्षण सेवाओं और एनजीए कोहांगा रियो द्वारा विशेषज्ञों, आईवी, और प्रदाताओं से मिलकर कार्य करते हुए समुदाय की आवश्यकताएं चिन्हित करना और प्राथमिकताएं तय करना
- अनुकूलित सहायता सृजन के लिए अधिक लचीलापन, जो नवोन्मेषी और प्रतिक्रियाशील हो
- स्थानीय शिक्षा तथा सेवा प्रदाताओं को मिलकर सामूहिक ढंग से कार्य करने के लिए एकजुट करने में सुगमता
- डाटा की साझेदारी, ताकि सेवाएं मिलकर कार्य करते हुए छात्रों की व्यक्तिगत सहायता कर सकें और पूरे समुदाय में स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों की स्पष्ट पहचान कर सकें।

शिक्षण सहायता सुविधादाता

यह कार्य वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित है और शिक्षण सहायता प्रदायगी मॉडल के भाग के रूप में मौजूदा कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।

पूरे समुदाय की आवश्यकताएं समझने, डाटा साझा करने, तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग के विषय में निर्णय लेने के लिए शिक्षण सहायता सुविधादाता अपने शिक्षण समुदाय की ज़रूरतें समझने वाले शिक्षाविदों, और सेवाएं प्रदान करने वालों के साथ मिलकर कार्य करता है।

वर्तमान में कार्य:

- शिक्षा व अन्य सरकारी एजेंसियों की उपलब्ध विकलांगता और शिक्षण सहायता सेवाओं के बीच औपचारिक संबंध और संपर्क बिंदु है और प्रस्तावित शिक्षण सहायता समन्वयक पद के साथ घनिष्ठ रूप में कार्य कर सकता है।
- पेशेवर शिक्षण और विकास के समन्वय में सहायक है
- सामूहिक निर्णय-सृजन प्रक्रिया में अभिभावकों और व्हानाऊ की आवश्यकताएं और दृष्टिकोण परिलक्षित होने के उपाय सुनिश्चित करता है।
- संकुल या शिक्षण समुदाय में आवश्यकता के पैटर्नों की पहचान करता है; समन्वित पेशेवर शिक्षण एवं विकास में सहायक है; और डिस्ट्रिक्ट हेल्थ बोर्ड, न्यूजीलैण्ड पुलिस, ओरंगा तमारिकी, और स्वास्थ्य मंत्रालय आदि एजेंसियों के साथ कार्य करता है

एक नई भूमिका (पद)

हम एक नया स्कूल-आधारित शिक्षण सहायता समन्वयक पद लागू करते हुए इस विधि को विकसित करना चाहते हैं। यह पद , शिक्षण सहायता सुविधादाता के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाकर कार्य करेगा।

शिक्षण सहायता समन्वयक

शिक्षण सहायता समन्वयक (पहले विशेष शिक्षण आवश्यकताएं समन्वयक या SENCO कहा जाता था) की पुष्टि या लागू करने के लिए वित्तपोषण निर्णय आवश्यक होगा।

यह पद निम्न कार्य करेगा:

- अभिभावकों और व्हानाऊ के बीच प्राथमिक संपर्क बिंदु बनना, और उनके स्कूल के साथ कार्य में उनका सहयोग करना।
- शिक्षकों की क्षमता व ज्ञान के विकास हेतु स्कूल या कुरा की सहायता करना। समय के साथ विशिष्ट योग्यताएं प्राप्त की जा सकती हैं, लेकिन आरंभ में आवश्यक नहीं होंगी।
- आरंभिक शिक्षण से प्राथमिक स्कूल में सुचारू रूपांतरण हेतु आरंभिक शिक्षण सेवाओं से संपर्क जोड़ना।

हम पद विवरण के विकास पर परामर्श कर रहे हैं, जिसमें शहरी और ग्रामीण परिवेशों में स्कूली वातावरणों का ध्यान रखा जाए।